Look n Learn
Children's Jain E-book

Serial No. 94

The knowledge of 32 Aagams in your phone

To subscribe please Whats app - Jai Jinendra on +91 8104461579

Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

Didi : Make the best use of your Samay - spend your Samay in Saiyam (self-restraint).

Parth : What is Saiyam?

Didi : Saiyam means Diksha (renunciation).

Naman: So, can we take Diksha?

Didi : Yes, you absolutely can.

Parth : But are we capable of accepting Diksha today?

Naman: No, maybe not today.

Parth : Then will our human life go to waste?

दीदी : अपने समय का सदुपयोग कर लो - समय को संयम में बिताओ।

पार्थ : क्या है संयम?

दीदी : संयम यानी दीक्षा!

नमन : तो क्या हम दीक्षा ले सकते हैं ?

दीदी : हां, बिल्कुल ले सकते हैं

पार्थ : लेकिन क्या आज हम दीक्षा जीवन को स्वीकार करने के लिए समर्थ हैं

नमन : शायद आज नहीं।

शुभम : तो क्या हमारा मानव जीवन निष्फल जाएगा?

Didi: No, dear children - it will not go waste. Saiyam means being aware every moment, following jatna, discipline every moment. Saiyam means having compassion and friendship with all living beings. Saiyam means staying close to Parmatma at all times, and becoming like Him. Saiyam means having control over our sense and desires. Even if we cannot take Diksha today, we can still practice the virtues of Saiyam and strive to follow, at least to some extent, the path that our revered Sadhu-Sadhvijis uphold.

Parth : Didi, but how do we do that?

Didi : Come, let's learn today how to spend our Samay in Saiyam until the right Samay comes to accept Saiyam fully. Kids, have you ever seen the life of a Saiyami? Have you ever seen them waste even one day, one hour, one minute, or even one second of their life?

दीदी : नहीं बच्चों-निष्फल बिल्कुल नहीं जाएगा। संयम यानी पल-पल जागृत रहना, संयम यानी पल-पल की जतना। संयम यानी हर जीव के प्रति करुणा और मैत्री का भाव। संयम यानी हर पल प्रभु के समीप रेहना, प्रभु जैसा बनना। संयम यानी अपनी इंद्रियों ऐवं अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना। माना की हम आज दीक्षा नहीं ले सकते, लेकिन हम अपने पूज्य साधु-साध्वीजी जैसे -संयम के भावों में रहने का प्रयास तो कर सकते हैं ना?

पार्थ : हां, दीदी। लेकिन वो कैसे करना है?

दीदी : चलो, आज हम सीखते हैं कि जब तक संयम लेने का समय न आए, तब तक संयम में समय कैसे बिताना है। बच्चों, क्या आपने कभी एक संयमी का जीवन देखा है? क्या आपने उन्हें कभी अपना एक दिन, एक घंटा, एक मिनट, या एक भी सेकंड व्यर्थ करते देखा है?

Arya : No, Didi, we've always seen them engrossed in their rituals, like vihar, sadhana, bhakti, dhyan, jaap, gochari, swadhyay, discourse & so on.

Didi : Yes Arya, you're right. But what about us? Do we use our Samay wisely?

आर्या : नहीं, दादी, हमने हमेशा उन्हें उनके धार्मिक कृत्यों में व्यस्त देखा है, जैसे विहार, साधना, ध्यान, जप, गोचरी, स्वाध्याय, आदि।

दीदी : हां आर्या, तुम सही हो लेकिन क्या हम अपने समय का सही उपयोग करते हैं?

Arya : Apart from important activities like studying or spending time with family, we often dedicate much of our Samay to activities such as going out, playing games, arguing, getting angry, scrolling through our phones, gossiping, sleeping, being lazy, or engaging in casual conversations.

आर्या : महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे पढ़ाई करने या परिवार के साथ समय बिताने के अलावा, हम अपना अधिकतर समय ऐसी चीजों में लगाते हैं जैसे बाहर जाना, खेल खेलना, झगड़ना, गुस्सा करना, मोबाइल पर स्क्रॉल करना, गपशप करना, सोना, आलस्य करना, या हल्की-फुल्की बातों में समय बिताना।

Didi : Kids, let us connect our lives with that of a Sayami. Let's explore the difference between Sansar and Saiyam and learn how we can spend more of our Samay in Saiyam while living in Sansar.

दीदी : बच्चों, चलो अपने जीवन को एक संयमी के जीवन से जोड़ें। आइए संसार और संयम के बीच का अंतर समझें और सीखें कि संसार में रहते हुए हम अपना अधिक समय संयम में कैसे बिता सकते हैं।

'MITTI ME SAVVA BHUVESU' -We are friendly towards all the living beings,

"मित्ती मे सव्व भूएसु"- हम सभी जीवों के प्रति मित्रता रखते हैं।

Believing that every living being is different from me and that they do not feel pain or sorrow is Sansaar

यह मानना कि हर एक जीव मुझसे अलग है और उन्हें दर्द या शोक नहीं होता, यही संसार है।

Recognizing that every living being is the same as I am is Saiyam.

हर एक जीव मेरे जीव समान है, इसे समझना संयम है।

Chasing your desires,
always craving for more, is Sansaar.
अपनी इच्छाओं का पीछा करना, और
हमेशा अधिक पाने की लालसा करना,
यही संसार है।

The satisfaction of winning over
your desires or being
desiresless, is Saiyam.
अपनी इच्छाओं पर विजय पाना या
इच्छाओं से मुक्त होना, संयम है।

Samay se Saiyam

Not accepting or denying
mistakes is Sansaar.

गलतियों को न स्वीकारना या
नकारना है संसार।

The acceptance for every small
mistake and having
repentance is Saiyam.
हर छोटी गलती को स्वीकार
करना और पश्चाताप करना ही संयम है।

Even a single moment of carelessness is Sansaar.

पल-पल की लापरवाही है संसार।

Every minute of awareness is Saiyam.

पल-पल की जतना है संयम।

Somay se Saiyam

Never being satisfied with what you have is Sansaar.

जो आपके पास है उससे कभी संतुष्ट न होना, यही संसार है।

Finding joy in what you have is Saiyam.

जो आपके पास है उसमें खुशी पाना, यही संयम है।

Stealing and telling lies is Sansaar.

चोरी करना और झूठ बोलना है संसार।

Avoiding theft and speaking the truth is Saiyam.

चोरी नहीं करना और सच बोलना है संयम।

Indulgence in pleasures is Sansaar.

मैथुन का सेवन है संसार।

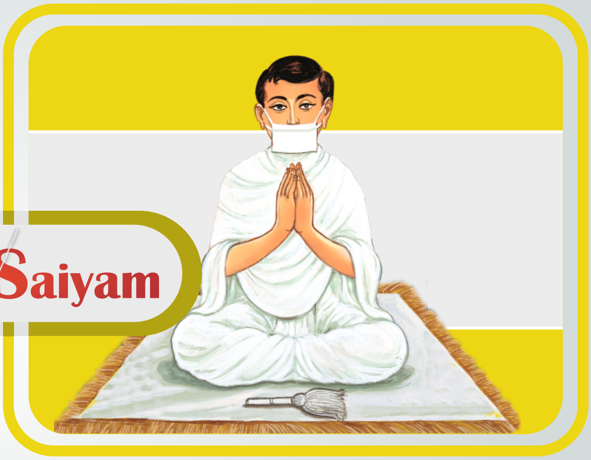

Embracing celibacy is Saiyam.

ब्रह्मचर्य का स्वीकार है संयम।

Accumulating or using more possessions than necessary is Sansaar.

परिग्रह करना आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह या उपयोग करना है संसार।

Embracing non-possessiveness is Saiyam.

अपरिग्रह को स्वीकार करना है संयम।

Indulging in illusion and ego is Sansaar.

माया और मान का सेवन करना है संसार।

Embracing simplicity and humility Saiyam.

सरलता और विनय का स्वीकार करना है संयम।

Indulging in attachment (Raag)and hatred(Dwesh) is Sansaar.

राग और द्वेष का सेवन करना है संसार।

Embracing detachment and compassion is Saiyam.

आसक्ति और करुणा का स्वीकार करना है संयम।

Creating conflict and causing harm to others is Sansaar.

कलह करना और किसी को दुःख पहुँचाना है संसार।

Embracing friendship with every living being is Saiyam.

हर एक जीव के साथ मैत्री का स्वीकार करना है संयम।

SHRAVAK TO SADHAK AND SADHAK TO SANT-SATIJI

Just like us, they started their life simply-doing routine chores from morning to night! But...

जैसे हम शुरू करते हैं, वैसे ही उन्होंने भी अपनी ज़िन्दगी की शुरुआत की थी साधारण दिनचर्या से, सुबह से लेकर रात तक संसार के कार्य करते हुए! लेकिन...

Dhanya che Dhanya che

Let us BOW DOWN TO THEM

Soon, they realized the truth and made the best use of Samay, entering the state of a Sadhak from being a Shravak through spiritual practices. In the state of a Sadhak, they made the highest use of Samay, remaining alert and mindful at every moment, practicing their spiritual discipline, and gradually transforming from ordinary beings to the greatest. From being Sadhak, they became Sant-Satijis. They accelerated their journey towards liberation. Blessed are they, truly blessed! If they can do it, so can we! Let's also try to evolve from Shravak to Sadhak and eventually reach the ultimate state.

जल्द ही उन्हें सत्य का एहसास हुआ और समय का सदुपयोग करते हुए उन्होंन श्रावक से साधक अवस्था में प्रवेश किया। साधक अवस्था में समय का उच्चतम उपयोग किया, पल-पल की सजगता, जतना और ध्यान से अपनी साधना को किया, जिससे वे हमारे जैसे सामान्य से श्रेष्ठ बन गए और साधक से साधु-साध्वी बन गए और उन्होंने अपनी मोक्ष यात्रा को तेज़ी से आगे बढ़ाया। धन्य हैं वे, धन्य हैं वे! यदि वे यह कर सकते हैं, तो क्या हम नहीं? चलिए हम भी कोशिश करें, श्रावक से साधक और साधक से परम बनने की।

तपसम्राट पूज्य गुरुदेव
श्री रतिलालजी महाराज साहेब
का ०८-०२-२०२५ को
२८वां स्मृति दिवस के दिन ...
वंदन वारंवार वंदन वारांवर

अहो गुरुदेव!
आप तो हमारे गुरुदेव के गुरुदेव हो।
आपको वंदन करते-करते...
समय सदा शुभ में बिताएं,
सच्चाई की राह अपनाएं।
संयम से जीवन महकाएं,
भक्ति से दिल को सजाएं।
यही आपके चरणों में प्रार्थना है, वंदन हे!
यही आपके चरणों में प्रार्थना है, वंदन हे!

On 10.02.25, the sacred occasion of the
34th Saiyam Divas,
we offer our deepest reverence to Param Gurudev.

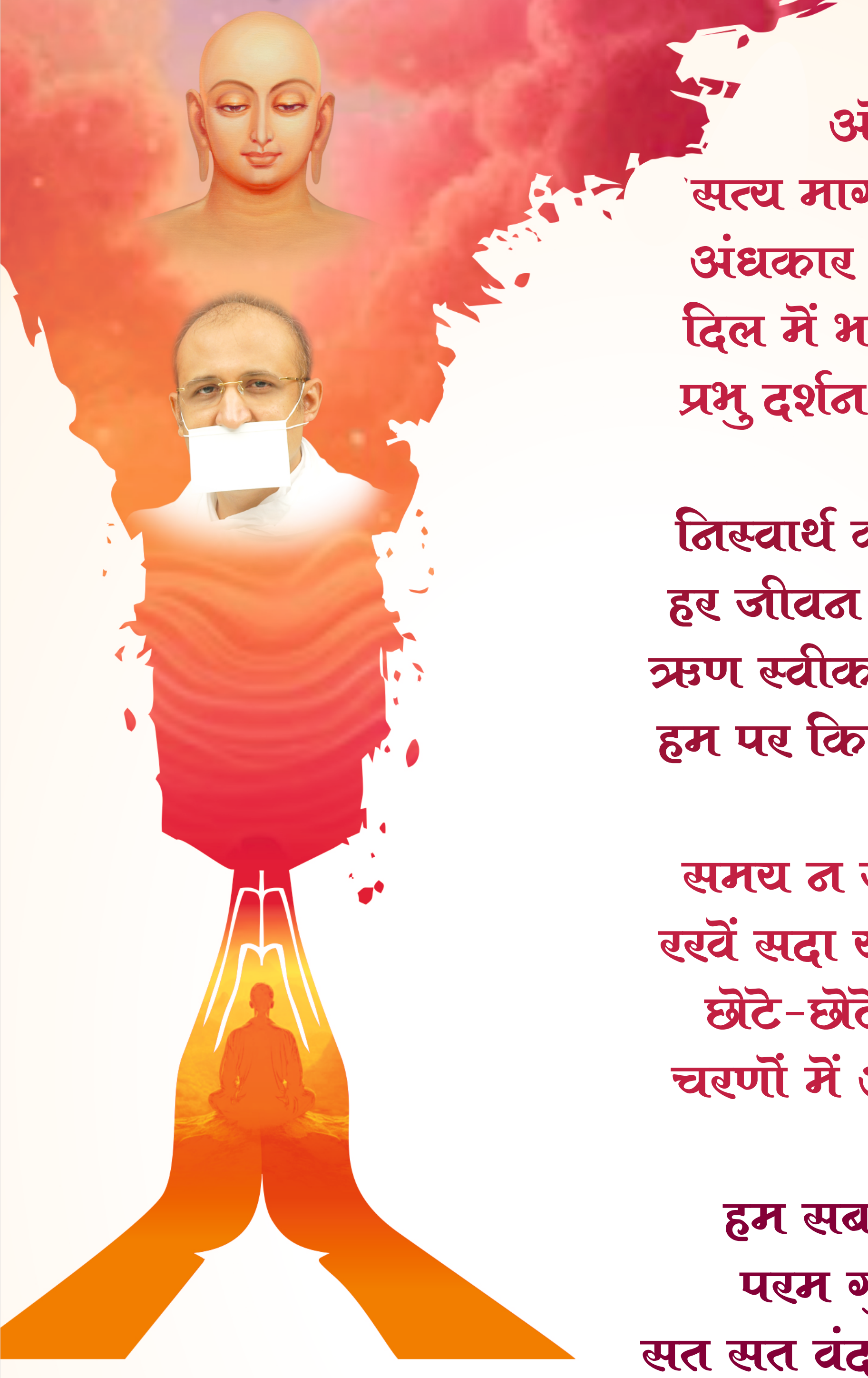

ओ गुरुदेव!
सत्य मार्ग हमको दर्शाया,
अंधकार सब दूर हटाया...
दिल में भक्ति दीप जलाया,
प्रभु दर्शन का मार्ग बताया।

निस्वार्थ कृपा बरसाते हैं वे,
हर जीवन को महकाते हैं वे,
ऋण स्वीकार - ऋण स्वीकार
हम पर किया महान उपकार,

समय न जाए व्यर्थ हमारा,
रखें सदा यह उपदेश तुम्हारा।
छोटे-छोटे प्रण ये लाएंगे,
चरणों में अर्पण कर जाएंगे।

हम सब बच्चे करते हैं,
परम गुरुदेव आपको
सत सत वंदन, सत सत नमन।

Look N Lean Jain Gyan Dham, Jalgaon,

On the auspicious 34th Diksha Jayanti of Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb, with the spirit of Sakaremi and Sammanemi, the children of Look N Lean Jain Gyan Dham Kids' Centre, Jalgaon, (age group 4-14 years)participated by individually taking a Pachkhan of their choice out of 34 Tyags, which they will follow over for 34 days. Trying to do Sahakarmita with Param Gurudev in celebration of His 34th Diksha Jayanti. Here's a detailed list of their spiritual practices: along with their names...

Luv Jain
14 yrs

Anand kothari
15 yrs

Out of these fortunate kids, Luv Jain & Anand Kothari have diligently followed...

ALL THE NIYAMS FOR 34 DAYS.

34 Days of...

Let us all join in and do Anumodna!

Chanting Navkar Mantra	**9 Vandana everyday**	**Namo Nanasa 1 Mala**
- Aagam Kankariya - Ish Jain	- Kewal Zambad - Darsh Jain	- Naksh Kothari - Yug Surana
Namothunam Sutra 3 times	**4 Logassa Kausaga**	**Uvasagaharam Stotra 3 times**
- Virtha Jain - Megha Raka	- Ojal Desarda - Ritisha Jain	- Kavya D Jain - Jinal G Lunkad
Puchisunam Stuti	**Bhaktamar Stotra**	**Sant-Satiji Darshan**
- Naman Kothari - Luv Jain	-Yug Bothara - Divyam Zambad	- Arnav Jain - Jainam Jain
Listening Manglik	**No Packet Food**	**Donation of Stationery**
- Pransh Jain - Atharva Dakliya	- Hazel Shah - Vinit Mahajan	- Parshva Kothari - Kush Gandhi

Look N Lean Jain Gyan Dham, Jalgaon,

Drink boiled water
- Ananya Parekh
- Trisha Bardiya

1 hour Maun
- Shrey Kothari
- Harsh Kotecha

LNL Prachar
- Rashi Jain
- Kavya Jain

Doing Samayik
- Ritisha Bafna
- Nirjara Kothari

Doing Chauvihaar
- Darsh Jain
- Amayra Kawdiya

Doing Pratikraman
- Vishaka Jain
- Mitali Kothari

Doing Eksana
- Prachi Lunkad
- Hiral Bora

Saying Jai Jinendra to all
- Taksh Jain
- Kritika Gandhi

Doing Jaap
- Bhoumik Jain
- Manasvi Raka

Chanting Arham
- Mahek Jain
- Bhumi Jain

Avoiding Hotel visit
- Smit Chordiya
- Himanshi Jain

Take Blessings from parents
- Vivaan Shah
- Rutvi Mehta

Avoiding Salads
- Jeesha Shah
- Dhruvi Jain

Avoiding Fruits
- Arham Gandhi
- Divyam Luniya

Avoiding Chocolates/Icecreams
- Neet Chordiya
- Jivika Bora
- Aatman Shrishrimal
- Akira Jain
- Jignesh Jain

Chanting 5 Navkar Mantra
- Virisha Chordiya
- Prisha Gandhi

No Kandamul
- Amayra Khabiya
- Utsav Jain
- Hitansh Kocher

Feeding animals
- Vreeha Gala
- Viraj Gala
- Roohi Pipariya

Chanting 1 rosary
- Namasvi Jain
- Jainam Gadiya
- Laksh Chajjed
- Janil Gala

Mobile and TV
- Bhavik Lunkad
- Ruchi Tathed
- Hitanshi Kocher
- Palak Kothari
- Vidhi Gala

Their dedication to this practice is truly inspiring! Kids, even you can try following these sacrifices - just one each day!

"त्यागी के चरणों में एक छोटा सा त्याग अर्पित किया।"

धन्य थया दीक्षा दानेश्वरी राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराजसाहेब,
धन्यातिधन्य थया दीक्षीत सुशिक्षित आत्माओ

'Mathen Vandami'

Saiyam maro shwas,
Saiyam Prabhu no ehsaas!

Aho Vandanam – Aho Vandanam!

Diksha – 2013

Pujya Shree Supurvibai Mahasatiji

Diksha – 2014

1. Param Saumyaji Mahasatiji
2. Param Sambodhiji Mahasatiji
3. Param Pavitraji Mahasatiji
4. Param Samadhiji Mahasatiji
5. Param Tapasyaji Mahasatiji
6. Param Divyataji Mahasatiji
7. Param Mitraji Mahasatiji
8. Param Ananyaji Mahasatiji
9. Param Pratisthaji Mahasatiji
10. Param Krupaji Mahasatiji
11. Param Viraktaji Mahasatiji

Diksha – 2016

1. Param Vinamramuni Maharaj Saheb
2. Param Pavitramuni Maharaj Saheb
3. Param Asmitaji Mahasatiji
4. Param Sanmitraji Mahasatiji
5. Param Aamanyaji Mahasatiji
6. Param Sanidhyaji Mahasatiji
7. Param Rujutaji Mahasatiji
8. Param Rushitaji Mahasatiji

Diksha – 2018

1. Param Arpitaji Mahasatiji
2. Param Samyaktaji Mahasatiji
3. Param Anubhutiji Mahasatiji
4. Pujya Sutirthikaji Mahasatiji
5. Param Jinvaraji Mahasatiji
6. Param Shrutikaji Mahasatiji
7. Param Pavantaji Mahasatiji
8. Param Prabhutaji Mahasatiji
9. Param Satvikaji Mahasatiji
10. Param Vibhutiji Mahasatiji
11. Param Garimaji Mahasatiji
12. Param Aatmikaji Mahasatiji

Diksha – 2018

1. Param Swamitraji Mahasatiji
2. Param Aaradhyaji Mahasatiji

Diksha – 2019

1. Param Namasviji Mahasatiji
2. Param Sahajtaji Mahasatiji
3. Param Aatmiyaaji Mahasatiji

Diksha – 2021

1. Param Vinaymuni Maharaj Saheb
2. Param Nemishwaraji Mahasatiji
3. Param Rujumitraji Mahasatiji
4. Param Surmayaji Mahasatiji
5. Param Rushimitraji Mahasatiji
6. Param Shree Jineshwaraji Mahasatiji
7. Param Anugnaji Mahasatiji
8. Param Samvegi Mahasatiji
9. Param Shrutpriyaji Mahasatiji

Diksha – 2022

1. Param Sohammuni Maharaj Saheb
2. Param Virangnaji Mahasatiji
3. Param Shreevatsalji Mahasatiji
4. Pujya Hitagnaji Mahasatiji
5. Param Shubhamji Mahasatiji
6. Param Sunishthaji Mahasatiji
7. Param Mahapragnaji Mahasatiji
8. Param Jineshaji Mahasatiji
9. Param Vishudhiji Mahasatiji

Diksha – 2024

1. Param Nempriyaji Mahasatiji

LEARN WHILE YOU PLAY...

Kids, here are some fun tongue twisters to enjoy! Learn them and embrace the concept of "Samay se Saiyam" deeply in your heart. Play with your friends and family, and encourage them to use their "Samay in Saiyam"

Fun tongue twisters-Master all or focus on mastering one!

Level-1	Level-2
संयम से समय संभलता, समय से संयम संभलता।	संयम से समय संभलता, समय से संयम संभलता। संयम और समय साथ चले, संयम बिना समय सरकता। समय और संयम साथ चले, संयम से समय संभाले।